

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
हल्द्वानी जिला नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 20 दिसम्बर, 2010

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनागत पक्ष में एस0सी0एस0पी0 योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया विश्वविद्यालय के पत्र संख्या : UOU/R-Est/2010-11/5672 दिनांक 30 अगस्त 2010 एवं पत्र संख्या : UOU/R-Est/2010-11/53 दिनांक 02 नवम्बर 2010 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा आलोच्य वित्तीय वर्ष 2010-11 में एस0सी0एस0पी0 योजनान्तर्गत विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षण शुल्क की सुविधा दिय जाने के क्रम में उनसे लिए जाने वाले प्रवेश शुल्क की प्रतिपूर्ति पर किए जाने, अनुसूचित जाति के छात्रों हेतु पुस्तकें क्रय करने एवं स्टडी सेंटर की व्यवस्था किए जाने हेतु प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त किए जाने का प्रस्ताव किया गया है । उक्त के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय के उक्त प्रस्तावानुसार आलोच्य वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुसूचित जाति उप योजनान्तर्गत (S.C.S.P.) मुख्य आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि रुपये 20,00,000.00 (रुपये बीस लाख मात्र) को संगत मदों में नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2. उक्त धनराशि का पूर्ण उपयोग अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0) के तहत अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के कल्याणार्थ नियमानुसार किया जायेगा ।

3. स्वीकृत की गयी धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी नैनीताल के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरांत विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी ।

4. व्यय उन्हीं कार्यों एवं योजनाओं पर किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है ।

5. अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

6. व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी0जी0एस0एण्डडी0 की दर तथा यह दर निश्चित न होने पर टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जाना होगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, क्रय की गयी सामग्री का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा।

7. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-2011 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-30 के अधीन लेखा शीर्षक-2202 सामान्य शिक्षा- 03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-आयोजनागत-102- विश्वविद्यालयों को सहायता-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-0205 राज्य मुक्त विश्वविद्यालय- 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या -758(P)/xxvii(3)/2010 दिनांक 15 दिसम्बर-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

भवदीय

(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 143 /XXIV(6)/2010 दिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल
3. जिलाधिकारी, नैनीताल ।
4. कोषाधिकारी, हल्द्वानी ।
5. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
6. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड ।
7. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
10. वरिष्ठ शोध अधिकारी, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन ।
11. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,

(वेदीराम)
अनु सचिव